अभ्यास पत्रक

5. रहीम के दोहे (अब्दुर्रहीम खानखाना)

नाम :- ..... कक्षा :- ..... अवधि :- ..... अनुक्रमांक :- ..... प्राप्तांक :- .....

मेरी समझ से

1. नीचे दिए गए प्रश्नों का सबसे सही (सटीक) उत्तर कौन-सा है? उसके सामने तारा (☆) बनाइए- 2

(1) "रहिमन जिह्वा बावरी, कहि गइ सरग पताल। आपु तो कहि भीतर रही, जूती खात कपाल।" दोहे का भाव है-

- सोच-समझकर बोलना चाहिए।
- धीरे-धीरे बोलना चाहिए।
- मधुर वाणी में बोलना चाहिए।
- सदा सच बोलना चाहिए।

(2) "रहिमन देखि बड़ेन को, लघु न दीजिये डारि। जहाँ काम आवे सुई, कहा करे तलवारि।" इस दोहे का भाव क्या है?

- तलवार सुई से बड़ी होती है।
- तलवार का महत्त्व सुई से ज्यादा है।
- सुई का काम तलवार नहीं कर सकती।
- हर छोटी-बड़ी चीज़ का अपना महत्त्व होता है।

मिलकर करें मिलान 3

2. दिए गए दोनों को उनके सही भाव के साथ मिलान करें।

स्तम्भ-1	स्तम्भ-2
1. रहिमन धागा प्रेम का मत तोड़ों छिटकाय। टूटे से फिर ना मिले मिले गाँठ परि जाय॥	1. सज्जन परहित के लिए ही सम्पत्ति संचित करते हैं।
2. कहि रहीम सम्पत्ति सगे बनत बहुत बहु रीत। बिपति कसौटी जे कसे, ते ही साँचे मौत ॥	2. सच्चे मित्र विपत्ति या विपदा में भी साथ रहते हैं।
3. तरुवर फल नहिं खात हैं, सरवर पियहिं न पान। कहि रहीम पर काज हित, सम्पत्ति सँचहि सुजान॥	3. प्रेम या रिश्तों को सहेजकर रखना चाहिए।

पंक्तियों पर चर्चा

3. नीचे दिए गए दोहों पर समूह में चर्चा कीजिए और उनके अर्थ या भावार्थ लिखिए- 2

(क) "रहिमन बिपदाहू भली जो थोरे दिन होय। हित अनहित या जगत में, जानि परत सब कोय ॥"

उत्तर- .....

.....

.....

.....

(ख) "रहिमन जिहा बावरी, कहि गइ सरग पताल। आपु तो कहि भीतर रही. जूती खात कपाल ॥" 2

उत्तर- .....

.....

.....

.....

4. रहीम किस काल के कवि हैं? 1

(क) रीतिकाल (ख) आधुनिक काल (ग) आदिकाल (घ) भक्तिकाल

उत्तर- .....

5. रहीम जी का जन्म किस शताब्दी में हुआ? 1

(क) 16वीं (ख) 15वीं (ग) 14वीं (घ) 13वीं.

उत्तर- .....

6. कवि ने किस धागे को तोड़ने के लिए मना किया है? 1

उत्तर- .....

.....

7. रहीम के अनुसार विपत्ति कितने समय के लिए होती है? 1

उत्तर- .....

.....

8. कवि ने किसका उदाहरण देकर बताया है कि कोई भी वस्तु छोटी या बड़ी नहीं होती? 2

उत्तर- .....

.....

.....

.....

egyanarchive